भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 867
27/07/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

लू से हुई मौतें

867 श्री नारायण दास गुप्ता:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्री जी को वर्ष 2023 में भारत में लू से होने वाली मौतों की राज्य-वार संख्या की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय द्वारा ऐसी मौतों को रोकने के लिए कोई तैयारी संबंधी कार्यकलाप शुरू किए गए थे; और

(घ) यदि हां, तो आवंटित बजट और व्यय की गई निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रिजिजू)

(क) जी हां।

(ख) हाल के वर्षों में,लू के कारण होने वाली मौतों में बहुत कमी आई है। तथापि, वर्ष 2023 के आंकड़े अभी तक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, गृह मंत्रालय द्वारा अपडेट नहीं किए गए हैं।

(ग)-(घ) यह एक तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर वार्षिक तापमान बढ़ रहा है और इसका प्रभाव भारत सहित विश्व के विभिन्न भागों में लू की घटनाओं की वृद्धि के रूप में दिखाई दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग विभिन्न स्थानिक और कालिक पैमानों पर लू सहित गंभीर मौसम की घटनाओं से संबंधित पूर्वानुमान और चेतावनियां जारी करता है तथा इसे आम जनता के साथ-साथ आपदा प्रबंधन अधिकारियों के साथ साझा करता है ताकि आवश्यक शमन उपाय शुरू किए जा सकें।

देश में, अप्रैल, मई और जून के महीनों में अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ लू भी अधिक होती हैं। एक पहल के रूप में,भारत मौसम विज्ञान विभाग, योजना बनाने के उद्देश्य से मार्च के अंतिम सप्ताह में अप्रैल, मई और जून के महीनों के तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ आउटलुक जारी कर रहा है। इस आउटलुक में इस अवधि के दौरान लू के संभावित परिदृश्य की भी जानकारी दी जाती है। ऋतुनिष्ठ आउटलुक के बाद अगले दो सप्ताहों के लिए प्रत्येक गुरुवार को विस्तारित अवधि आउटलुक जारी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, लू की चेतावनी सहित गंभीर मौसम के लिए पूर्वानुमान और रंग कोडित चेतावनियां अगले पांच दिनों के लिए दैनिक आधार पर और दो दिनों के लिए पूर्वानुमान के साथ जारी की जाती हैं।

एक सहायक उपाय के रूप में, आईएमडी ने स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से देश के कई हिस्सों में लू के बारे में चेतावनी देने और ऐसे अवसरों के दौरान की जाने वाली कार्रवाई की सलाह देने के लिए लू कार्य योजना शुरू की है। वर्तमान में, 23 ऐसे राज्य हीट एक्शन योजनाओं का हिस्सा हैं, जहां अत्यधिक तापमान रहता है जिससे लू की स्थितियां पैदा होती हैं।

हाल ही में,भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हीट इंडेक्स लॉन्च किया है, जो उच्च तापमान पर आर्द्रता के प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करता है और इस प्रकार मनुष्यों को उस तापमान जैसा अनुभव प्रदान करता है जिसका उपयोग मनुष्य में बैचेनी के संकेत के रूप में किया जा सकता है। यह बैचेनी को कम करने के लिए व्यक्तियों द्वारा की जाने वाली अतिरिक्त देखभाल के बारे में दिशानिर्देश प्रदान करता है।

लू से संबंधित सेवाओं के उद्देश्य के लिए किसी विशेष फंड का आवंटन नहीं है। केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम "वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान- मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणालियां और सेवाएं (अक्रॉस)" के तहत 2023 से 2018 तक की अवधि के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग की सेवाओं के लिए शामिल व्यय नीचे दिया गया है:

अक्रॉस-भारत मौसम विज्ञान विभाग			
वर्ष	**बजट अनुमान**	**संशोधित अनुमान**	**वास्तविक व्यय**
	(करोड रुपये में)		
2018-19	186.46	185.89	175.93
2019-20	207.17	224.73	206.02
2020-21	249.22	155.20	150.35
2021-22	255.40	193.68	183.73
2022-23	216.71	216.41	211.00

*****